पंजाब केसरी 16/09/2025

जैव विविधता की रक्षा केवल वैज्ञानिक चिंता नहीं, हमारा सांस्कृतिक उत्तरदायित्व भी : डा. रोहित दत्त

अम्बाला, 15 सितम्बर (बलराम): छावनी स्थित गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज के समाजशास्त्र एवं अंग्रेजी विभागों द्वारा संयुक्त रूप से सोमवार को एक दिवसीय अंतरविभागीय कार्यक्रम 'ग्रीन फिल्म रिव्यू एंड इको-पॉडकास्ट: वॉइसेज ऑफ द अर्थ' का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने युवाओं में पर्यावरण चेतना विकसित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि जैव विविधता की रक्षा करना केवल वैज्ञानिकों की या कृषि संबंधी चिंता नहीं, बल्कि हमारा सांस्कृतिक उत्तरदायित्व भी है। विद्यार्थियों को पर्यावरण संवेदनशीलता के टॉर्चबीरर बनना चाहिए, ताकि अतीत की बुद्धिमत्ता संरक्षित रहे और भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को जागरूक, उत्तरदायी नागरिक बनाने में सहायक हैं, जो स्थानीय समाधान के माध्यम से वैश्विक चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। कार्यक्रम की मुख्य आकर्षण सीड कीपर्स-2020 नामक सशक्त वृत्तचित्र का प्रदर्शन तथा डाऊन टू अर्थ की वीडियो प्रस्तुति रही। दोनों ने ही देशज बीजों के संरक्षण, सतत एवं जैविक कृषि पद्धतियों को अपनाने तथा जैव विविधता की रक्षा के महत्व को उजागर किया। इन सत्रों ने श्रोताओं को गहराई से प्रभावित किया और यह स्मरण कराया कि खाद्य सुरक्षा, पारिस्थितिकीय स्थिरता और सांस्कृतिक धरोहर आपस में गहराई से जुड़ी हुई हैं।

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में 'ग्रीन फिल्म रिव्यू एंड इको-पॉडकास्ट: वॉइसेज ऑफ द अर्थ' कार्यक्रम के दौरान वृत्तचित्र देखते विद्यार्थी। (चंदमोहन)

फिल्म प्रदर्शन के पश्चात आयोजित समूह चर्चा में विद्यार्थियों ने देशज कृषि पद्धतियों, स्थानीय फसलों की खेती और पर्यावरण की रक्षा के लिए टिकाऊ उपायों के महत्व पर अपने विचार रखे। विद्यार्थियों की उत्साही सहभागिता उनके सतत जीवन के प्रति बढ़ते उत्तरदायित्व को दर्शाती रही। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसमें यह संकल्प दोहराया गया कि कॉलेज भविष्य में भी ज्ञानवर्धक एवं सामाजिक रूप से प्रासंगिक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा।